

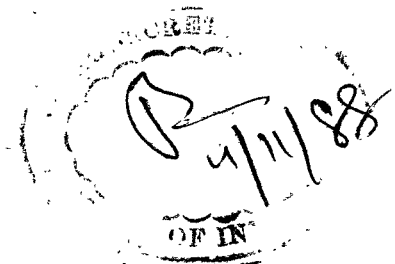


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 59]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 22, 1988/चैत्र 2, 1910

No. 59]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 22, 1988/CHAITRA 2, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च 1988

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/87 :—10.50 प्रतिशत ऋण 1997 (छठा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2002 (चौथा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 (चौथा निर्गम) के लिए 1055 करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्ते 29 मार्च 1988 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 29 मार्च 1988 को छुट्टी घोषित किये जाने पर उस राज्य में अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 1055 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 103.87 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट तक के अतिरिक्त अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1158.87 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर आंशिक

आवंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 मई 1997 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1997 (छठा निर्गम)

- वापसी अदायगी की तारीख ऋण 11 मई 1997 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।
- व्याज—इस ऋण की व्याज दर 29 मार्च 1988 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 29 मार्च 1988 से 10 मई 1988 (सहित) तक की अवधि का व्याज 11 मई 1988 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 11 नवंबर और 11 मई को व्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर

लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4 रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 11 मई 2002 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण, 2002 (चौथा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 11 मई 2002 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 मार्च 1988 से कर बाषिक 11.00 प्रतिशत होगी। 29 मार्च 1988 से 10 मई 1988 (सहित) तक की अवधि का ब्याज 11 मई 1988 को अदा किया जायेगा और उसके प्रत्येक छमाही में 11 नवंबर और 11 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

5 रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 5 अक्टूबर 2007 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 (चौथा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 5 अक्टूबर 2007 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 मार्च 1988 से बाषिक 11.50 प्रतिशत होगी। 29 मार्च 1988 से 4 अप्रैल 1988 (सहित) तक की अवधि का ब्याज 5 अप्रैल 1988 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 5 अक्टूबर और 5 अप्रैल को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं—

6. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (पोंटे और मायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद,

जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (बाषिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणापत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को बाषिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मूहुरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदातुओं के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

वी. बालसुब्रमणियन,

विशेष कार्य अधिकारी

दलाल की मुहर और पता

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम* _____
(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ र. _____ (_____) के लिये
नकदी*

चैक

प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* *स्टाक प्रमाण-पत्र/मेरे/हमारे* एस.जी.एल.
खाते में जमा के रूप में र. _____ के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत ऋण, 1997 (छठा निर्गम)*/11.00
प्रतिशत ऋण, 2002 (चौथा निर्गम) ./11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 (चौथा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम* चाहता हूँ /चाहते हैं कि उनका ब्याज _____ में अदा किया जाये।

विशेष टिप्पणी :

इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।
प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जायेंगी।

	आवक	दिनांक
आवेदन पत्र सं. _____		
"दलाली नहीं" मुहर _____		
नकदी प्राप्त होने की तारीख _____		
चैक वसूल होने की तारीख _____		
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख _____		
जाँच जाँच की गयी _____		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
मांग पत्र सं. _____		
प्रतिभूति सं. _____		
कार्ड सं. _____		
वाउचर परित करने की तारीख _____		

पूरा/(पूरे) नाम _____

पता _____

दिनांक _____ मार्च, 1988

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाये।

टिप्पणियां : (1) प्रत्येक ऋण लिये के अलग-अलग आवेदन किया जाये।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिय जायें।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाये तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किया गया हों तो संलग्न किये जायें:—

- (1) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि ।
- (2) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतनियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां ।
- (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ ।
- (4) आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छमाही ब्याज के प्रेषण के लिये प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिये ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1988

No. F-4 (5) W&M-87.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent Loan, 1997 (Sixth Issue), 11.00 per cent Loan, 2002 (Fourth Issue) and 11.50 per cent Loan, 2007 (Fourth Issue) for an aggregate amount of Rs. 1055 crores will be received in the form of cash on the 29th March, 1988 upto the close of Banking hours. In the event of 29th March, 1988 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving officers in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain excess subscriptions received upto Rs. 103.87 crores or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 1055 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1158.87 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1997 (Sixth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th May 1997,

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th May 1997.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 29th March 1988. Interest for the period from 29th March 1988 to 10th May 1988 (inclusive) will be paid on 11th May 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 11th November and 11th May. The interest paid will,

subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 11.00 per cent Loan, 2002 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th May 2002.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th May 2002.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent per annum from 29th March 1988. Interest for the period from 29th March 1988 to 10th May 1988 (inclusive) will be paid on 11th May 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 11th November and 11th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent Loan, 2007 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 5th October 2007.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 5th October 2007.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 29th March 1988. Interest for the period from 29th March 1988 to 4th April 1988 (inclusive) will be paid on 5th April 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 5th October and 5th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest whole

rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto the limit specified in the Act.

11. The securities will be issued in the form of stock only.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 1000 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokage will be paid at the date of 6 paise
15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Officer on Special Duty.

FORM OF APPLICATION

Broker's Stamp with Address

I/We*
 (Full Name(s) in Block Letters)

herewith tender*
 Cash Rs. (Rupees)
 Cheque for

and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1997 (Sixth Issue)*/11.00 per cent. Loan, 2002 (Fourth Issue)*/11.50 per cent. Loan, 2007 (Fourth Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of *Stock Certificate/Credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.:— The applicant should not write any thing in this case.

The entries will be filled in by the Receiving Office

Signature(s)

Initials Date

Name(s) in full
 (Block Letters)

Application No.	
N.B. Stamp	
Cash	
Received on	
Cheque	Address
Realised on	
Credit to	
Special Current	
Account on	
Examined	
Cash	
Applications	
Register posted	Dated the of March 1988.
Brokerage	
Register	
Posted	
Indent No.	
Scrip No.	
Card No.	
Voucher	
passed on	

*Delete what is not required.

Notes :

(1) Separate applications should be made for each Loan.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and address of the witnesses should be appended to their signatures.

- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificates issued to them.
-

